कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जागृति

वर्ष: 65 अंक: 10 मुम्बई सितम्बर 2021

माननीय उपराष्ट्रपति ने 'खादी इंडिया क्विज प्रतियोगिता' का शुभारंभ किया

वित्त मंत्री द्वारा श्रीकाकुलम में पोंडुरु खादी को बढ़ावा देने के लिए क्लस्टर स्थापित करने का आश्वासन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष: 65 अंक: 10 मुम्बई, सितम्बर 2021

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
संजय सोमदे
वरिष्ठ कलाकार

चंद्रशेखर पुनवटकर
कलाकार

दिलिप पालकर
कलाकार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-14

यह प्रतियोगिता हमें अपनी जड़ों की ओर वापस ले जाने का एक रोचक माध्यम है 3
- माननीय उप राष्ट्रपति

वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण ने श्रीकाकुलम में पोंडुरु खादी को बढ़ावा देने के लिए टेक्सटाइल क्लस्टर स्थापित करने का आश्वासन दिया 7

केवीआईसी अर्धसैनिक बलों के लिए 1.91 लाख खादी दरियों की आपूर्ति करेगा 9

लेह-लद्दाख में केवीआईसी का प्रोजेक्ट बोल्ड शुरू;भूमि क्षरण की रक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था में मदद देगा 10

आज़ादी का अमृत महोत्सव पर ध्यान केंद्रित करते हुए केवीआईसी ने 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया.....12

केवीआईसी के राज्य और मंडलीय कार्यालयों में 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया 14

राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस समारोह में केवीआईसी ने भाग लिया 16

केवीआईसी के अद्वितीय प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज को पुनर्चक्रण अपशिष्ट प्लास्टिक के आविष्कार के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ 17

सरकार द्वारा लॉन्च किए गए खादी के नए उत्पाद 18

स्वतंत्रता के 75 वर्ष के जश्न के क्रम में 75 रेलवे स्टेशनों पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग की प्रदर्शनी और बिक्री स्टॉल 19

इसरो, यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "आजादी का अमृत महोत्सव" का उत्सव में आयोग ने भाग लिया 20

विविध.....23

तिरुनेलवेली में सामान्य सुविधा केन्द्र का उद्घाटन 24

प्रमाण पत्र का वितरण कार्यक्रम 24

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया 25

खादी कियोस्क का उद्घाटन 25

प्रेस कवरेज व सोशल मीडिया .....26 से 29

यह प्रतियोगिता हमें अपनी जड़ों की ओर वापस ले जाने का एक रोचक माध्यम है

- माननीय उप राष्ट्रपति

- खादी को व्यापक रूप से स्वीकार करना वर्तमान समय की मांग- उपराष्ट्रपति
- उपराष्ट्रपति ने भारत के स्वाधीनता संग्राम को वीरता, साहसपूर्ण बदलाव और निष्ठावान देशभक्ति की एक गाथा के रूप में वर्णित किया
- उपराष्ट्रपति ने शैक्षणिक संस्थानों से यूनिफार्म के लिए खादी का इस्तेमाल करने का आग्रह किया
- उपराष्ट्रपति ने 'खादी इंडिया क्विज प्रतियोगिता' का शुभारंभ किया

31 अगस्त, 2021 : उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने आज देश के नागरिकों से खादी को 'राष्ट्रीय वस्त्र' के रूप में अपनाने की अपील की और इसके इस्तेमाल को व्यापक रूप से बढ़ावा देने का आग्रह किया। श्री नायडु ने विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों से इसके लिए आगे आने तथा खादी के उपयोग को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

उपराष्ट्रपति आज खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा मनाये जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत आयोजित 'खादी इंडिया क्विज प्रतियोगिता' के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

श्री नायडू ने सभी से 'खादी इंडिया क्विज प्रतियोगिता' में भाग लेने का आग्रह करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता हमें अपनी जड़ों की ओर वापस ले जाने का एक रोचक माध्यम है, क्योंकि यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक क्षणों और हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय योगदान का स्मरण कराती है।

उपराष्ट्रपति ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में आयोजित अधिकृत 'दांडी मार्च' के समापन समारोह में भाग लेने के लिए इस वर्ष 6 अप्रैल को अपनी दांडी यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि दांडी मार्च में भाग लेने वाले प्रतिभागियों

के साथ बातचीत करते हुए उन्हें भारतीय इतिहास के गौरवमयी क्षणों को फिर से जीने का अवसर मिला और उन्होंने इसे "एक बहुत ही समृद्ध अनुभव" कहकर संदर्भित किया।

भारत के स्वाधीनता संग्राम को वीरता, बदलाव और निष्ठावान देशभक्ति की गाथा के रूप में वर्णित हुए उपराष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि किस तरह से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई में देश भर की जनता को प्रेरित किया। यह देखते हुए कि सभी मतों और सभी वर्गों के पुरुषों एवं महिलाओं ने आज़ादी की लड़ाई में भाग लिया, श्री नायडू ने कहा, "यह वास्तव में मानव सभ्यता के इतिहास में एक अद्वितीय घटना थी।"

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि मातंगिनी हाजरा, भगत सिंह, प्रीतिलता वाद्देदार, राजगुरु, सुखदेव और हजारों अन्य स्वाधीनता सेनानियों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के सार्वलौकिक स्वप्न को साकार करने के लिए अपने जीवन का बलिदान करने से पहले दो बार नहीं सोचा। उन्होंने कहा, "इन वीर पुरुषों और महिलाओं ने यह जानते हुए भी सर्वोच्च बलिदान दिया कि वे अपने सपने को हकीकत में बदलता देखने के लिए जीवित नहीं होंगे।"

श्री नायडू ने कहा कि हमारा स्वतंत्रता संग्राम बदलाव और आशा की यात्रा थी "जो हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, चाहे कितनी भी प्रतिकूल

माननीय उपराष्ट्रपति के भाषण का सार

"प्रिय बहनों और भाइयों,

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा आयोजित 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग 'खादी इंडिया क्विज कॉन्टेस्ट' का शुभारंभ करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है।

इस साल की शुरुआत में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की आजादी के ७५ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 75-सप्ताह लंबे "आजादी का अमृत महोत्सव" को हरी झंडी दिखाई थी। चल रहे "आज़ादी का अमृत महोत्सव" उत्सव में, हम एक देश के रूप में पिछले 75 वर्षों में हमारे महान राष्ट्र द्वारा की गई तीव्र प्रगति का जश्न मना रहे हैं।

इस साल 6 अप्रैल को, मैंने दांडी में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में आयोजित औपचारिक 'दांडी मार्च' के समापन समारोह में भाग लिया। उस अवसर पर, मैंने दांडी मार्च में भाग लेने वाले मार्च करने वालों के साथ बातचीत की और हमें अपने पिछले गौरव के क्षणों को फिर से जीने का अवसर मिला। यह वास्तव में एक बहुत ही समृद्ध अनुभव था।

प्रिय बहनों और भाइयों,

हमारा स्वतंत्रता आंदोलन बहादुरी, लचीलेपन और देश भक्ति की गाथा है। राष्ट्रपिता, महात्मा गांधी ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्र की लंबाई और चौड़ाई में जनता को प्रेरित किया। उस समय कई अन्य नेताओं और राष्ट्रवादी प्रेस ने देशभक्ति को जगाने और लोगों को एक विदेशी शासन के खिलाफ विद्रोह करने के लिए लामबंद करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम में सभी मतों और सभी वर्गों के पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया। यह वास्तव में मानव सभ्यता के इतिहास में

परिस्थिति क्यों न हो।" उन्होंने कहा कि हमारे पास स्वतंत्रता सेनानियों से सीखने के लिए बहुत कुछ है, खासकर मातृभूमि के हितों को हर चीज से आगे रखने की भावना।

श्री नायडू ने पिछले 7 वर्षों में खादी के अभूतपूर्व बदलाव पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसके विकास में तेजी लाने के लिए सरकार, केवीआईसी तथा अन्य सभी हितधारकों की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने कहा, "मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि केवीआईसी ने पूरे भारत में अपनी पहुंच स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है और लोगों को देश के दूर-दराज के कोनों में भी स्थायी स्वरोजगार गतिविधियों से जोड़ा गया है।"

उपराष्ट्रपति ने खादी की ऐतिहासिक प्रासंगिकता को याद किया और कहा कि यह स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जनता को जोड़ने के लिए एक बंधनकारी शक्ति थी। श्री नायडू ने कहा कि महात्मा गांधी ने वर्ष 1918 में गरीबी से पीड़ित जनता के लिए आय का एक स्रोत उत्पन्न करने के लिए खादी आंदोलन शुरू किया और बाद में उन्होंने इसे विदेशी शासन के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रतीकात्मक उपकरण में बदल दिया।

खादी के पर्यावरणीय लाभों का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि खादी में शून्य कार्बन फुटप्रिंट है क्योंकि इसके निर्माण के लिए बिजली या किसी भी प्रकार के ईंधन की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने कहा, "ऐसे समय में जब दुनिया कपड़ों के क्षेत्र में स्थायी विकल्प तलाश रही है, तो हमें यह एक अद्वितीय घटना थी।

जब हम अपने स्वतंत्रता आंदोलन के गौरवशाली अध्यायों को याद करते हैं, तो मातृभूमि के लिए प्रेम की एक सामान्य, उत्कृष्ट भावना हम सभी को बांधती है। देश को औपनिवेशिक शासन से मुक्त करने के लिए और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का दौरा करके अपने राष्ट्रीय प्रतीकों द्वारा किए गए अतुलनीय बलिदानों के बारे में सूचित करके हम सभी को अपने शानदार अतीत को फिर से देखना चाहिए।

कई बार स्वतंत्रता सेनानियों को अंग्रेजों के हाथों अमानवीय, क्रूर और कठोर व्यवहार का सामना करना पड़ा। उनमें से सैकड़ों को 'काला पानी' में निर्वासित कर दिया गया और उन्हें जेल की बर्बर परिस्थितियों में यातनाएं दी गईं। हालाँकि, अंग्रेज न तो उनकी अदम्य भावना को कुचल सके और न ही भारत को स्वतंत्रता प्राप्त करने के अपने अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उनके दृढ़ संकल्प को।

मातंगिनी हाजरा, भगत सिंह, प्रीतिलता वाद्देदार, राजगुरु, सुखदेव और हजारों अन्य स्वाधीनता सेनानियों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के सार्वलौकिक स्वप्न को साकार करने के लिए अपने जीवन का बलिदान करने से पहले दो बार नहीं सोचा। उन्होंने कहा, "इन वीर पुरुषों और महिलाओं ने यह जानते हुए भी सर्वोच्च बलिदान दिया कि वे अपने सपने को हकीकत में बदलता देखने के लिए जीवित नहीं होंगे।

"प्रिय बहनों और भाइयों,

हमारा स्वतंत्रता संग्राम लचीलापन और आशा की यात्रा थी, जो हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, चाहे कितनी भी प्रतिकूल स्थिति क्यों न हो। यह बेजोड़ एकता की यात्रा भी थी, जहां अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए हमारे देश के कोने-कोने से लोग एक साथ आए थे। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों से सीखने के लिए बहुत कुछ है, खासकर मातृभूमि के हितों को हर चीज से आगे रखने की भावना।

प्रिय बहनों और भाइयों,

हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, 'वंदे मातरम', 'जय हिंद', 'इंकलाब जिंदाबाद' या 'चरखा', 'राखी', 'नमक' या 'खादी' जैसी वस्तुओं ने जनता के लिए एक बाध्यकारी शक्ति के रूप में काम किया।

1918 में, महात्मा गांधी जी ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीबी से पीड़ित जनता के लिए आय का एक स्रोत उत्पन्न करने के लिए खादी आंदोलन शुरू किया और तभी से

खादी के अद्भुत युग की शुरुआत हुई।

जैसा कि लोकप्रिय रूप में कहा जाता है, 'खद्दर' या 'खादी' एक कपड़ा है जो हाथ से काता जाता है और हाथ से बुना जाता है। गांधीजी ने खादी की महान क्षमता का पूर्वाभास किया था; उनका मानना था कि खादी विदेशी शासन के खिलाफ एक शक्तिशाली, प्रतीकात्मक उपकरण और समाज के पुनर्निर्माण में एक प्रभावी साधन हो सकता है।

गांधी जी ने एक बार कहा था, और मैं उद्धृत करता हूं, "मैं स्वराज का विक्रेता हूं। मैं खादी का भक्त हूं। लोगों को हर ईमानदार तरीके से खादी पहनने के लिए प्रेरित करना मेरा कर्तव्य है।"

प्रिय बहन और भाइयों,

हमारे स्वतंत्रता संग्राम में अपनी प्रमुख भूमिका के अलावा, खादी के कई सकारात्मक पहलू हैं जो इसे बाकी कपड़ों से अलग बनाते हैं। अपनी झरझरा बनावट के कारण खादी हमारी स्थानीय जलवायु परिस्थितियों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है।

ऐसे समय में जब दुनिया कपड़ों में स्थायी विकल्प तलाश रही है, यह याद रखना चाहिए कि खादी एक पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ कपड़े के रूप में निश्चित रूप से आवश्यकता को पूरा करती है। इसमें शून्य कार्बन फुटप्रिंट भी है क्योंकि इसके निर्माण के लिए बिजली या किसी प्रकार के ईंधन की आवश्यकता नहीं होती है। मिलों द्वारा उत्पादित अन्य कपड़ों की तुलना में खादी के निर्माण के लिए पानी की खपत बेहद कम है।

खादी को व्यापक रूप से अपनाना समय की मांग है। मैं लोगों से खादी को 'राष्ट्रीय ताने-बाने' के रूप में अपनाने और इसके उपयोग को व्यापक रूप से बढ़ावा देने की अपील करता हूं। मैं विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों से भी आगे आने और खादी को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने का आह्वान करना चाहूंगा।

मुझे लगता है कि शैक्षणिक संस्थानों को स्कूल यूनिफॉर्म में खादी का इस्तेमाल करना चाहिए। यह न केवल छात्रों को खादी के कई लाभों का अनुभव करने का अवसर देगा बल्कि उन्हें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ने में भी मदद करेगा।

◆◆◆

याद रखना चाहिए कि खादी पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ वस्त्र के रूप में निश्चित ही हमारी आवश्यकताओं को पूरा करती है।"

उपराष्ट्रपति ने शैक्षणिक संस्थानों से यूनिफार्म के लिए खादी के रूप में इसके उपयोग का मार्ग तलाशने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह न केवल छात्रों को खादी के कई लाभों का अनुभव करने का अवसर देगा बल्कि उन्हें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों और स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास से जुड़ने में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा, "अपनी विशिष्ट बनावट के कारण खादी हमारी स्थानीय जलवायु परिस्थितियों के लिए काफी उपयुक्त है।"

श्री नायडू ने युवाओं से खादी को फैशन स्टेटमेंट बनाने और उत्साह के साथ सभी के द्वारा इसके उपयोग को प्रोत्साहन देने की अपील की।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के सचिव श्री बीबी स्वैन और अन्य व्यक्ति इस कार्यक्रम के दौरान मौजूद थे।

◆◆◆

वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण ने श्रीकाकुलम में पोंडुरु खादी को बढ़ावा देने के लिए टेक्सटाइल क्लस्टर स्थापित करने का आश्वासन दिया

माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमन ने एएफकेके संघम, पोंडुरु का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ आयोग की वित्तीय सलाहाकार सुश्री आशिमा गुप्ता, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (दक्षिण क्षेत्र) केवीआईसी, बैंगलोर और उप. निदेशक, केवीआईसी, विशाखापटनम उपस्थित थे।

श्रीकाकुलम : 7 अगस्त 2021 को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने कहा कि वह श्रीकाकुलम जिले के पोंडुरु गांव में पोंडुरु खादी को बढ़ावा देने के लिए एक टेक्सटाईल क्लस्टर स्थापित करने की संभावना तलाशने के लिए कपड़ा मंत्रालय से बात करेंगी। शनिवार को पोंडुरु गांव में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए, केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र देश भर में विशेष मेगा हैंडलूम क्लस्टर की स्थापना के माध्यम से हथकरघा उत्पादों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है।

2014-15 में 9,000 करोड़ रुपये के मुकाबले 2020-21 में 18,000 करोड़ रुपये

हथकरघा विपणन रुपये तक चला गया। हालांकि पोंडुरु खादी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, लेकिन विभिन्न कारणों से बुनकरों को इसका लाभकारी मूल्य नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पाद के ब्रांड मूल्य को बढ़ाने के लिए गुंटूर में मंगलगिरी की तर्ज पर पोंडुरु में एक हथकरघा क्लस्टर स्थापित करने पर विचार कर रही है।

श्रीमती सीतारमण ने नाबार्ड के अधिकारियों को खादी कारीगरों को ऋण देने का निर्देश दिया। यह कहते हुए कि पोंडरु खादी को मदद की जरूरत है, उन्होंने यह भी कहा कि वह बुनाई में नई तकनीकों को अपनाने की सुविधा के लिए और अधिक ऋण देने का प्रयास करेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बुनाई प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया और आंध्र ललित खादी श्रम विकास संघ में कारीगरों के साथ बातचीत की और खादी आसवन प्रणाली का निरीक्षण किया। श्रीकाकुलम के सांसद के श्री राममोहन नायडू ने पोंडुरु खादी के लिए भौगोलिक संकेतांक (जीआई) टैग की मांग की।

स्वदेशी उपयोगिता पर जोर

केवीआईसी अर्धसैनिक बलों के लिए 1.91 लाख खादी दरियों की आपूर्ति करेगा

13 अगस्त, 2021, नई दिल्ली : खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) को अर्धसैनिक बलों के लिए 10 करोड़ रुपये की 1.91 लाख खादी सूती दरियों का आपूर्ति आदेश मिला है।

यह आदेश भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) से प्राप्त हुआ है, जो देश में सभी अर्धसैनिक बलों की ओर से खरीद के लिए नोडल एजेंसी है। इस वर्ष 6 जनवरी को दरियों की आपूर्ति के लिए केवीआईसी और आईटीबीपी के बीच हस्ताक्षरित एक समझौते के अनुसार यह आपूर्ति की जा रही है।

गृह मंत्री द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबलों में स्वदेशी उत्पादों पर विशेष जोर के मद्देनजर यह खरीद की जा रही है। गृह मंत्री ने सभी सशस्त्र बलों में केवल स्वदेशी उत्पादों के उपयोग का आदेश दिया था।

समझौते के अनुसार, केवीआईसी 1.98 मीटर लंबाई और 1.07 मीटर चौड़ाई की नीली रंग की दरियां प्रदान करेगा। कपास की दरियों का उत्पादन उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब के खादी संस्थानों द्वारा किया जाएगा। इस खरीद आदेश से ही खादी कारीगरों के लिए अनुमानित 1.75 लाख श्रम दिवसों का अतिरिक्त कार्य सृजित होगा। यह पहली बार है जब केवीआईसी अर्धसैनिक बलों को दरियों की आपूर्ति कर रहा है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "आईटीबीपी का यह आदेश उच्च गुणवत्ता मानकों के कारण सशस्त्र बलों के बीच खादी की लोकप्रियता का प्रमाण है। "केवीआईसी को बलों से लगातार आदेश मिल रहे हैं जो हमारे जवानों द्वारा स्वदेशी उत्पादों के बढ़ते उपयोग को इंगित करता है। साथ ही, यह खादी कारीगरों के लिए अतिरिक्त रोजगार भी पैदा करता है।" श्री सक्सेना ने कहा, अर्धसैनिक बलों से खरीद आदेश जोड़ना भी खादी कारीगरों के लिए गर्व की बात है जो अपने तरीके से देश के जवानों की सेवा कर रहे हैं।

1.91 लाख दरियों में से 51,000 की आपूर्ति आईटीबीपी को की जाएगी; बीएसएफ को 59,500; 42,700 सीआईएसएफ को और 37,700 दरियों की आपूर्ति एसएसबी को की जाएगी। आपूर्ति आदेश इस साल नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। केवीआईसी द्वारा तैयार कपास की दरियों को कपड़ा मंत्रालय की एक इकाई, उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एनआईटीआरए) द्वारा प्रमाणित किया गया है।

केवीआईसी नियमित रूप से बलों को बड़ी मात्रा में कच्ची घानी सरसों के तेल की आपूर्ति कर रहा है।"

◆◆◆

लेह-लद्दाख में केवीआईसी का प्रोजेक्ट "बोल्ड" शुरू; भूमि क्षरण की रक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था में मदद देगा

एक ऐतिहासिक कदम में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने बुधवार को लेह-लद्दाख के हिमालयी इलाकों में बंजर भूमि पर बांस के पौधे लगाकर हरित क्षेत्र विकसित करने की पहली पहल 18 अगस्त, 2021 को शुरू की।

केवीआईसी और लेह-लद्दाख के वन विभाग ने आईटीबीपी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस) के सहयोग से एक संयुक्त अभ्यास में लेह के चुचोट गांव में 2.50 लाख वर्ग फुट से अधिक बंजर वन भूमि में बांस के 1,000 पौधे लगाए। यह भूमि अब तक बेकार पड़ी थी। केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने स्थानीय पार्षदों, ग्राम सरपंच और आईटीबीपी अधिकारियों की उपस्थिति में इस बांस वृक्षारोपण अभ्यास का शुभारंभ किया।

भारतीय सेना द्वारा लेह में स्थित अपने परिसर में बांस के 20 विशेष पौधे लगाए जाने के तीन दिन बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय सेना को ये पौधे केवीआईसी ने उपहार में दिए थे। केवीआईसी के प्रोजेक्ट बोल्ड (बैंबू ओएसिस ऑन लैंड इन ड्राउट) के तहत बांस के पौधे लगाए गए हैं, जो कि मरुस्थलीकरण को रोकने, भूमि और पर्यावरण की रक्षा करने तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप है। प्रोजेक्ट बोल्ड "खादी बांस महोत्सव" का एक हिस्सा है जिसे "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाने के लिए शुरू किया गया है।

लेह में बांस के पौधों का यह खंड स्थानीय ग्रामीण और बांस आधारित उद्योगों की मदद करके विकास का एक स्थायी मॉडल तैयार करेगा। मठों में बड़ी मात्रा में अगरबत्ती का इस्तेमाल किया जाता है जो बड़े पैमाने पर अन्य राज्यों से लाए जाते हैं। इन बांस के पेड़ों का उपयोग लेह में स्थानीय अगरबत्ती उद्योग के विकास के लिए किया जा सकता है। यह अन्य बांस आधारित उद्योगों जैसे फर्नीचर, हस्तशिल्प, संगीत वाद्ययंत्र और पेपर पल्प की मदद करेगा और इससे स्थानीय लोगों के लिए स्थायी रोजगार पैदा होगा। बांस के अपशिष्ट का उपयोग चारकोल और ईंधन ब्रिकेट बनाने में किया जा सकता है, जिससे लेह में कठोर सर्दियों के दौरान ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, बांस अन्य पौधों की तुलना में 30% अधिक ऑक्सीजन का उत्सर्जन करता है जो ऊंचाई वाले क्षेत्रों में एक अतिरिक्त लाभ है जहां हमेशा ऑक्सीजन की कमी होती है।

केवीआईसी द्वारा प्रशिक्षित कुम्हारों से उत्पादित चाय के कपों को चाय विक्रेताओं के वितरण के लिए त्रिपुरा खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, अगरतला द्वारा 10 अगस्त, 2021 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री सक्सेना ने कहा कि लेह में बांस के रोपण का यह प्रयोग क्षेत्र की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। "लेह में, भूमि का एक विशाल क्षेत्र सैकड़ों वर्षों से अनुपयोगी पड़ा है। नतीजतन, इस क्षेत्र की काली मिट्टी भी इनमें से अधिकांश स्थानों पर चट्टानों में बदल गई। इसकी वजह से बांस के रोपण के लिए गड्ढों की खुदाई केवीआईसी के लिए एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य थी। गड्ढों को खोदते समय, इन कठोर गांठों को तोड़ा गया और गड्ढों में भर दिया गया ताकि बांस की जड़ों को बढ़ने के लिए एक नरम भूमि मिल सके।"

श्री सक्सेना ने कहा, "इसके अलावा, केवीआईसी ने लेह में बांस के रोपण के लिए मानसून का मौसम चुना ताकि पौधों को जड़ प्रणाली विकसित करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके और वे इतने मजबूत हो जाएं कि आने वाले महीनों में बर्फबारी तथा सर्द हवा से बच सकें।" उन्होंने कहा कि इनमें से अगर 50 से 60 प्रतिशत बांस के पौधे भी बच गए तो केवीआईसी अगले साल लेह-लद्दाख क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बांस का रोपण करेगा।

केवीआईसी ने प्रोजेक्ट बोल्ड के तहत अब तक चार जगहों पर 17.37 लाख वर्ग फुट शुष्क भूमि में 12,000 बांस के पौधे (लेह में 1,000 सहित) लगाए हैं। इन जगहों में - उदयपुर का निचला मंडवा गांव, अहमदाबाद का धोलेरा गांव, जैसलमेर जिले का तनोट गांव और लेह का चुचोट गांव शामिल हैं।

केवीआईसी ने 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

मुंबई, 15 अगस्त 2021: खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 15 अगस्त 2021 को 75वां स्वतंत्रता दिवस उल्लास और देशभक्ति के साथ मनाया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने केवीआईसी मुख्यालय में आयोजित एक भव्य ध्वजारोहण समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। केंद्रीय कार्यालय, केवीआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोविड 19 महामारी पर सुरक्षा के लिए गृह मंत्रालय द्वारा जारी आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया।

इस पावन अवसर पर सुश्री प्रीता वर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए अपने उद्बोधन में केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी महोदया ने जानकारी देते हुए बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, जो स्वतंत्रता के 75 वर्ष के अवसर आयोजित मार्च माह में दांडी मार्च से शुरू हुआ था, जिसमें

केवीआईसी ने भी भाग लिया था। इसके साथ ही प्रत्येक माह विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जैसे खादी क्विज प्रतियोगिता जिसका उद्घाटन भारत के माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा, रेलवे स्टेशनों पर देश भर में प्रदर्शनियां, सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराना, बांस वृक्षारोपण गतिविधियां आदि तथा खादी के क्षेत्र में डिजाइन व अनुसंधान, के लिए फेलोशिप तथा स्कॉलरशिप, इसी दिशा में आगामी एक वर्ष में आईओसीएल, एनटीसी जैसे कई प्रमुख संगठनों के साथ सम्झौता किया जाएगा जो स्थानीय उद्योगों को गति प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में केवीआईसी की भूमिका सर्वदा महत्वपूर्ण रही है और केवीआईसी ने इस महामारी के दौरान भी कई उल्लेखनीय निर्णय लेकर अपनी प्रासंगिकता साबित की है जैसे कि पीएमईजीपी के तहत प्राकृतिक पेंट के लॉन्च के तहत 6 लाख रोजगार पैदा करना, खादी उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण के लिए निफ्ट (NIFT) के साथ तथा आय सृजन और भर्ती अभियान के लिए आईआईटी से समझौता करना आदि प्रमुख हैं।

केवीआईसी के राज्य और मंडलीय कार्यालयों में 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

विजयवाड़ा

रायपुर

शिमला

गुवाहाटी

तिरुवनंथपुरम्

मेरठ

अहमदाबाद

बोरीवली, मुम्बई

जयपुर

दहानू

देहरादून

अगरतला

कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथकागज़ संस्थान, जयपुर

नाशिक

त्रिशूर, केरल

राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस समारोह में केवीआईसी ने भाग लिया

राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस 07 अगस्त, 2021 को राजभवन, ईटानगर में माननीय राज्यपाल ब्रिगेडियर (डॉ.) बी.डी. मिश्रा (सेवानिवृत्त), प्रथम महिला श्रीमती नीलम मिश्रा की उपस्थिति में मनाया गया।

इस अवसर पर सचिव (कपड़ा) श्री स्वप्निल नाइक, विधायक सह सलाहकार उद्योग, कपड़ा और हस्तशिल्प, अरुणाचल प्रदेश सरकार श्री रोड़े बुई, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) श्री आर.पी. उपाध्याय और अन्य राज्य अतिथि उपस्थित थे।

इस अवसर पर केवीआईसी राज्य कार्यालय, ईटानगर ने भाग लेकर ई-मार्केटिंग पर प्रस्तुति दी है और हमारे ई-प्लेटफॉर्म www.ekhadiindia.com को भी बढ़ावा दिया है। आयोग द्वारा इस बारे में जानकारी दी गयी कि यह प्लेटफॉर्म देश के विभिन्न हिस्सों में वेबसाइट की पहुंच के साथ-साथ कारीगरों से बने उत्पादों और ग्राहकों के बीच की खाई को पाटने के लिए कैसे काम कर रहा है।

आयोग के प्रथम महिला श्रीमती नीलम मिश्रा को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने आयोग को इस मंच पर अपने संगठन को बढ़ावा देने का मौका दिया। इस समारोह को प्रमुख राज्य मीडिया हाऊसों द्वारा कवर किया गया।

केवीआईसी के अद्वितीय प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज को पुनर्चक्रण अपशिष्ट प्लास्टिक के आविष्कार के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
GOVERNMENT OF INDIA
THE PATENT OFFICE
PATENT CERTIFICATE

दिल्ली, 05 अगस्त, 2021 : खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रकृति से प्लास्टिक के खतरे को कम करने के लिए विकसित अपने अभिनव प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज के लिए पेटेंट पंजीकरण प्राप्त कर लिया है। पेटेंट प्रमाणपत्र केवीआईसी के कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीट्यूट (केएनएचपीआई) जयपुर को 2 अगस्त 2021 को भारत के पेटेंट महानियंत्रक बौद्धिक संपदा द्वारा जारी किया गया। प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज विकसित करने का विचार सितंबर 2018 में कल्पित हुआ और मात्र दो महीनों में ही यानी कि, नवंबर 2018 में इस परियोजना को केएनएचपीआई में वैज्ञानिकों के एक दल द्वारा निष्पादित किया गया था।

प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज को प्रोजेक्ट रिप्लान (प्रकृति से प्लास्टिक को कम करना) के तहत विकसित किया गया था। यह भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना है, जहां प्लास्टिक कचरे को डि-स्ट्रक्चर्ड, डिग्रेडेड, डाइलूटड किया जाता है तथा इसे हस्तनिर्मित कागज बनाते समय पेपर पल्प के साथ इस्तेमाल किया जाता है। इस प्रकार प्रकृति से प्लास्टिक कचरे को कम करने में सहायता मिलती है। यह उपलब्धि सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरे से लड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुरूप है।

इस पेटेंट को प्राप्त करना वास्तव में केवीआईसी के अद्वितीय नवाचार को एक बड़ी मान्यता है, जो पूरी दुनिया में अभूतपूर्व है। अपशिष्ट-प्लास्टिक मिश्रित हस्तनिर्मित कागज के उत्पादन से स्थायी रोजगार के अवसरों के सृजन के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा के दोहरे उद्देश्यों की पूर्ति होने की संभावना है।

केवीआईसी और राज्य खादी बोर्डों के तहत देश में लगभग 2640 हस्तनिर्मित कागज बनाने वाली इकाइयों में हर वर्ष वातावरण से करीब 3000 मीट्रिक टन अपशिष्ट प्लास्टिक का शोधन करने की क्षमता है। साथ ही इसके माध्यम से अपशिष्ट प्लास्टिक के संग्रह, सफाई और प्रसंस्करण जैसे हजारों नए रोजगार भी पैदा किये जा सकते हैं। इसलिए, कहा जा सकता है कि, यह सतत विकास का एक उपयुक्त मॉडल है। केवीआईसी शीघ्र ही उद्यमियों को प्लास्टिक मिश्रित हस्तनिर्मित कागज बनाने के लिए प्रशिक्षण देना शुरू करेगा और घरेलू कागज उद्योग के साथ इस तकनीकी की जानकारी को साझा करेगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा विकसित तकनीक उच्च एवं निम्न घनत्व अपशिष्ट पॉलिथीन दोनों का उपयोग करती है, जो न केवल कागज को अतिरिक्त मज़बूती देती है बल्कि लागत को 34 प्रतिशत तक कम करती है। यह उत्पाद पुनः चक्रित करने योग्य और पर्यावरण के अनुकूल है। केवीआईसी ने प्लास्टिक मिश्रित हस्तनिर्मित कागज का उपयोग करके कैरी बैग, लिफाफे, फाइल / फोल्डर आदि जैसे कई उत्पाद विकसित किए हैं। केवीआईसी ने अब तक जयपुर शहर के लगभग 40 मीट्रिक टन अपशिष्ट प्लास्टिक का उपयोग करते हुए 13 लाख से अधिक प्लास्टिक मिश्रित हस्तनिर्मित पेपर कैरी बैग बेचे हैं, और इससे लगभग 1.30 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ है।

◆◆◆

सरकार द्वारा लॉन्च किए गए खादी के नए उत्पाद

दिल्ली, 09 अगस्त 2021: MSME मंत्रालय के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) ने 15.07.2021 को दो नए उत्पाद- खादी बेबीवियर और हस्तनिर्मित कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल लॉन्च किए हैं।

यह सच है कि खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) द्वारा हस्तनिर्मित कागज उद्योग का समर्थन करने, पारंपरिक कला को मजबूत करने और कारीगरों के लिए स्थायी रोजगार पैदा करने के उद्देश्य से खादी हस्तनिर्मित कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल विकसित किए गए हैं। ये चप्पलें कच्चे माल के रूप में मोटे हस्तनिर्मित पेपर बोर्ड और नरम हस्तनिर्मित कागज का उपयोग करती हैं और इसलिए उत्पाद की एक नई लाइन बनाती हैं जो न केवल हस्तनिर्मित कागज की खपत को बढ़ाएगी बल्कि हस्तनिर्मित कागज उद्योग के कारीगरों के लिए स्थायी रोजगार भी पैदा करेगी।

500 जोड़ी प्रतिदिन की क्षमता वाला एक हस्तनिर्मित कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल निर्माण इकाई काटने, चिपकाने, पैकेजिंग और रसद के लिए प्रति दिन 20 व्यक्तियों को रोजगार देती है।

500 हस्तनिर्मित कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल के निर्माण के लिए हस्तनिर्मित कागज की 225 शीट की आवश्यकता होती है। यह आगे हस्तनिर्मित कागज उद्योग के उत्पादन में प्रति दिन 9 व्यक्तियों के लिए रोजगार पैदा करता है।

खादी बेबीवियर और हस्तनिर्मित कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं: -

खादी बेबीवियर की मुख्य विशेषताएं:-

1. केवीआईसी ने पहली बार नवजात और 2 साल तक के आयु वर्ग के लिए बेबीवियर पेश किया है।
2. खादी बेबीवियर उच्च गुणवत्ता वाले हाथ से काते और हाथ से बुने हुए खादी सूती कपड़े से बने होते हैं।
3. कपड़े पर्यावरण के अनुकूल है और नवजात शिशुओं की संवेदनशील त्वचा के अनुरूप प्राकृतिक रेशों का उपयोग करके बनाया गया है।
4. बच्चों को त्वचा की जलन से बचाने के लिए कपड़े किसी भी रासायनिक उपचार और हानिकारक रंगों से मुक्त है।
5. खादी बेबीवियर में इस्तेमाल होने वाला कपड़ा सांस लेने योग्य और त्वचा के अनुकूल होता है।
6. बेबीवियर को पेश करने के पीछे का विचार खादी कपड़े की अधिक खपत के लिए उत्पाद श्रृंखला में और विविधता लाना और अंततः खादी कारीगरों के लिए अधिक आय पैदा करना है।

हस्तनिर्मित कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल की मुख्य विशेषताएं:-

1. खादी हस्तनिर्मित कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल देश में पहली बार विकसित किया गया है।
2. खादी हस्तनिर्मित कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल महीन बनावट वाले हस्तनिर्मित कागज से बने होते हैं और 100% पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी होते हैं।
3. यात्रा और इनडोर उपयोग के लिए उपयुक्त जैसे घरों, होटलों, अस्पतालों, पूजा स्थलों, प्रयोगशालाओं आदि में।
4. महामारी की दृष्टि से स्वास्थ्यकर।
5. दो प्रकार में उपलब्ध है- फ्लिप फ्लॉप और स्लिप-ऑन।

यह जानकारी केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

◆◆◆

स्वतंत्रता के 75 वर्ष के जश्न के क्रम में 75 रेलवे स्टेशनों पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग की प्रदर्शनी और बिक्री स्टॉल

दिल्ली, 16 अगस्त, 2021: खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने स्वाधीनता के 75 वर्ष का जश्न मनाने के लिये देश के 75 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर खादी उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के स्टॉल लगाये हैं। ये सभी स्टॉल अगले एक वर्ष तक, यानी वर्ष 2022 के स्वतंत्रता दिवस तक चलते रहेंगे। "आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत केवीआईसी ने यह पहल की है।

खादी स्टॉलों का उद्घाटन सभी 75 रेलवे स्टेशनों पर शनिवार (14 अगस्त, 2021) को किया गया। इन स्टेशनों में नई दिल्ली, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुम्बई, नागपुर, जयपुर, अहमदाबाद, सूरत, अम्बाला कैंट, ग्वालियर, भोपाल, पटना, आगरा, लखनऊ, हावड़ा, बेंगलुरू, एर्नाकुलम और अन्य रेलवे स्टेशन शामिल हैं। स्टेशनों के इन स्टॉलों पर खादी और ग्रामीण उद्योगों के उत्पाद, जैसे कपड़े, सिले-सिलाये कपड़े, खादी प्रसाधन, खाद्य-पदार्थ, शहद, मिट्टी के पात्र आदि उपलब्ध हैं। इस प्रदर्शनी और बिक्री स्टॉलों के जरिये देश के तमाम रेल-यात्रियों को स्थानीय खादी उत्पादों को खरीदने का मौका मिलेगा, खासतौर से सफर के दौरान रास्ते में पड़ने वाले इलाके या राज्य के अपने उत्पादों को। इस पहल से खादी के कारीगरों को अपने उत्पादों को बढ़ावा देने और उन्हें बेचने का बड़ा मंच मिलेगा।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने इस

पहल का स्वागत करते हुये कहा कि रेलवे और केवीआईसी के इस संयुक्त प्रयास से खादी के कारीगरों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, "इन 75 रेलवे स्टेशनों के खादी स्टॉलों के प्रति बड़ी संख्या में खरीदार आकर्षित होंगे और इस तरह खादी उत्पादों की विस्तृत किस्मों को लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी। इसके जरिये न सिर्फ "स्वदेशी" की भावना को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि सरकार की "वोकल फॉर लोकल" पहल को भी आधार मिलेगा।

◆◆◆

हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन

एमएसएमई राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने आज हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर खादी प्रदर्शनी सह बिक्री स्टाल का उद्घाटन किया। आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर देश भर

के 75 रेलवे स्टेशनों पर खादी इंडिया स्टॉल लगाए गए हैं। स्टाल के दौरे के दौरान, मंत्री ने केवीआईसी के अधिकारियों को खादी उत्पादों की रेंज और मूल्य सूची को प्रमुखता से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। जिससे रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों का ध्यान आकर्षित किया जा सके। मंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे खादी को नए ग्राहक जोड़ने में मदद मिलेगी और उपभोक्ताओं का आधार बढ़ेगा। खादी कारीगरों को अपने उत्पादों को बढ़ावा देने और बेचने के लिए एक बड़ा मार्केटिंग प्लेटफॉर्म मिलेगा। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के अलावा, केवीआईसी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक खादी स्टॉल भी लगाया है जिसे ग्राहकों से अच्छा रिस्पांस मिला है। 15 अगस्त को इस आउटलेट पर 25,000 रुपये से अधिक के खादी उत्पाद बेचे गए।

◆◆◆

इसरो, यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "आजादी का अमृत महोत्सव" का उत्सव में आयोग ने भाग लिया

इसरो, यू आर राव सैटेलाइट सेंटर, ओल्ड एयर पोर्ट रोड, बेंगलुरु द्वारा भारत की स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ पर "आजादी का अमृत महोत्सव" का उत्सव आयोजित किया गया, इस अवसर पर दो दिवसीय खादी और ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी 10.08.2021 से 11.08.2021 तक आयोजित की गयी।

श्रीमती विजयलक्ष्मी पी बिदारी, आईएएस, नियंत्रक, यू.आर.राव सैटेलाइट सेंटर, इसरो ने 10.08.2021 को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और 6000/- मूल्य के सिल्क खादी साड़ी और सूती खादी की खरीददारी की।

उद्घाटन समारोह में श्री पी एस बालकृष्णन, सहायक निदेशक- II, श्री पीजे निमजे सहायक निदेशक- II , श्री विनोथकुमार भारती, वरिष्ठ अनुवादक और श्री एस. ए. आरामवलार्थन, कार्यकारी खादी ने भाग लिया। बेंगलुरु क्षेत्र की कुल 6 खादी संस्थाओं जैसे आरआरडीए, श्री राघवेंद्रस्वामी केजीएस, भारतीय खादी निर्यात विकास संघ, सूर्योदय खादी ग्रामोद्योग और ग्रामीण विकास सोसायटी, हरिहर चरखा मट्टू ग्राम सहकारी संघ एवं नागरिक खादी और रेशम ग्रामोद्योग औद्योगिक संघ ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया।

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत कार्यरत संस्था खादी ग्रामोद्योग समग्र विकास समिति, गोठा मऊ द्वारा 75वे स्वतंत्रता दिवस के आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 250 खादी कामगारों को निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, गोरखपुर तथा उनकी टीम के सहयोग से प्रोत्साहन सामग्री का वितरण किया गया।

हरिद्वार

75 वे स्वतंत्रता दिवस "अमृत महोत्सव" के पावन अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री का उद्घाटन 1 4 अगस्त 2021 को हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर श्रीमती अंजू सिंह (आई.आर.टी.एस.) मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक द्वारा किया गया है और यह प्रदर्शनी 19 अगस्त 2021 तक आयोजित की गयी।

इस अवसर पर 16 अगस्त, 2021 को स्वच्छता अभियान भी मनाया गया।

आयोग के राज्य कार्यालय, शिमला में 25 अगस्त, 2021 को आयोजित स्वच्छता सप्ताह के दौरान राज्य निदेशक श्री योगेश जे. भामारे, कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए।

हैदराबाद

बैंगलुरु

आगरा

जयपुर

एर्नाकुलम

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, मुंबई

झांसी

मथुरा

नागपुर

पटना

कानपुर

Jodhpur

विजयवाडा

ठाणे

पूणे

विशाखापटनम्

मदुरै

लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई

वाराणसी

हावड़ा

त्रिशुर

भोपाल

कालीकट

अहमदाबाद

KOTA

अजमेर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विविध

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी ने 24 अगस्त, 2021 को गणेशपुर, वाराणसी में मिट्टी के बर्तन बनाने (कुम्हारी) का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 60 प्रशिक्षुओं (06 एसएचजी) के बीच 60 इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील, 06 क्ले ब्लंजर एम/सी और प्रमाण पत्र वितरित किए।

ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत दिनांक 06.08.2021 से 15.08.2021 ग्राम-खारी, हरहुआ जिला- वाराणसी में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 04 स्वयं सहायता समूहों के 40 कुम्हारी कारीगरों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक पर कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया।। मंडलीय कार्यालय, केवीआईसी, वाराणसी द्वारा 15 अगस्त, 2021 को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रशिक्षुओं के बीच इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील, क्ले ब्लंजर मशीन और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

ग्रामोद्योग विकास योजनान्तर्गत पंचायत भवन, बीकापुर ग्राम, जिला गाजीपुर में 10 दिवसीय अगरबत्ती प्रशिक्षण (06.08.2021 से 16.08.2021 तक) स्वयं सहायता समूह को दिया जाता है। निदेशक, केवीआईसी, वाराणसी द्वारा दिनांक 16.08.21 को लाभार्थियों को और पेडल अगरबत्ती मशीन वितरित की गई।

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी ने सेवापुरी, वाराणसी और गाजीपुर में 23.08.2021 से 11.09.2021 तक और बैरिया, बलिया में 24.08.2021 से 12.09.2021 तक एक मास्टर ट्रेनर और डिजाइनर द्वारा लकड़ी शिल्प पर 60 बढ़ई कारीगरों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू किया।

शिक्षित युवाओं को उनके द्वार पर अपनी इकाइयां स्थापित करने हेतु प्रेरित करने के लिए 13.08.2021 को, बड़ागांव ब्लॉक, वाराणसी में पीएमईजीपी, योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें योजना के बारे में और केवीआईसी द्वारा दिये जाने वाले ऋण के लिए आवेदन कैसे करें आदि के बारे में विस्तार से बताया गया।

ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत, 20 बढ़ईगीरी कारीगरों को 22.06.2021 से 11.07.2021 तक ग्राम सेवा आश्रम कादीपुर, जिला - गाजीपुर में एक मास्टर ट्रेनर और डिजाइनर द्वारा बेकार लकड़ी के शिल्प पर कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया। दिनांक 07.08.2021 को खादी संस्था के सचिव एवं अन्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोग के मण्डलीय निदेशक प्रभारी, वाराणसी श्री डी.एस.भाटी द्वारा में टूल किट और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

तिरुनेलवेली में सामान्य सुविधा केन्द्र का उद्घाटन

आयोग के माननीय सदस्य, दक्षिण क्षेत्र श्री शेखर राव पैरेला द्वारा पद्मनेरी गांव, तिरुनेलवेली जिले में 29.07.2021 को आयोग की केआरडीपी योजना के तहत कलाकड़ फाइबर कारीगर क्लस्टर के सामान्य सुविधा केन्द्र का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर श्री वी. विष्णु, जिला. कलेक्टर, तिरुनेलवेली एवं श्री आर. पी. अशोकन, सह निदेशक प्रभारी, मण्डलीय कार्यालय, केवीआईसी, मदुरै एवं अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे।

प्रमाण पत्र का वितरण कार्यक्रम

जीएनएमडीटीसी, केवीआईसी, दहानू में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को नीरा से गुड़ बनाने हेतु सफलतापूर्वक प्रशिक्षण देने के उपरांत दिनांक 29.07.2021 को आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाय. के. बारामतिकर द्वारा प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

सेवापुरी, वाराणसी में कौशल विकास प्रशिक्षण

ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत खादी ग्रामोद्योग विद्यालय सेवापुरी, वाराणसी में दिनांक 28.07.2021 से 06.08.2021 तक कुम्हार समुदाय के 30 लाभार्थियों वाले 3 स्वयं सहायता समूहों को एक मास्टर ट्रेनर द्वारा विभिन्न उत्पादों जैसे मैजिक लैम्प, पानी की बोतल, कलात्मक दीया, लक्ष्मी गणेश मूर्ति आदि पर कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया। दिनांक 06.08.2021 को खादी संस्था के अन्य पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोग के मण्डलीय निदेशक प्रभारी, वाराणसी श्री डी.एस.भाटी द्वारा प्रमाण पत्र के साथ इलेक्ट्रिक चाक, ब्लंजर मशीन का वितरण किया गया।

जीएनएमडीटीसी, केवीआईसी, दहानू में विकलांग बच्चों को कंप्यूटर ट्रेनिंग का कोर्स सफलतापूर्वक करने के उपरांत 29.07.2021 को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया

केंद्र सरकार ने 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में घोषित किया है, जिसे भारत के इतिहास में इसके महत्व के कारण हर साल मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन 1905 में 'स्वदेशी आंदोलन' शुरू किया गया था। आंदोलन में घरेलू उत्पादों और उत्पादन प्रक्रियाओं का पुनरुद्धार शामिल था।

दिग्गज व्यवसायी और अडानी ग्रुप के अध्यक्ष ने खादी मंदिर, शांति ग्राम, अहमदाबाद में खादी प्रदर्शनी का दौरा किया और ट्वीट के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। "7 अगस्त 1905 को, हमारी स्वतंत्रता के नायकों ने स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत की, जिसमें हमारे हथकरघा कार्यकर्ताओं ने, जो हमारे आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक हैं, गर्व के साथ भाग लिया था। आज हम उन महिलाओं और पुरुषों को नमन करते हैं जो अपने पारंपरिक करघे पर एक साथ बुनते हैं, हमारी आशाएं, हमारा गौरव और हमारा भविष्य..... जय हिन्द।"

खादी कियोस्क का उद्घाटन

खादी कियोस्क का उद्घाटन श्री संजीव कक्कड़, मुख्य महाप्रबंधक (आईओसीएल) ने 16.08.2021 को पेट्रोल पंप, रुद्रपुर उधमसिंह नगर में किया। इस अवसर पर श्री संजय भंडारी, महाप्रबंधक और श्री रोहित चौधरी, सहायक प्रबंधक (आईओसीएल) भी उपस्थित थे। श्री इंद्रजीत, प्राचार्य, एमडीटीसी, केवीआईसी, हल्द्वानी और श्री सुरेश चंद पंत, सचिव, क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम, हल्द्वानी (उत्तराखंड) के साथ कियोस्क के प्रबंधक और संस्थान के अन्य कर्मचारी भी वहां मौजूद थे।

आयोग के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण के केन्द्र, दहानू द्वारा आईटीआई, वनगांव के 500 छात्रों को प्रशिक्षण एवं उद्योग लगाने की जानकारी के साथ-साथ केवीआईसी की विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (एनएबी), गोलापार हल्द्वानी के सम्मेलन हॉल में आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून के बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र हल्द्वानी द्वारा एक उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 80 से अधिक छात्रों और ग्रामीणों ने भाग लिया।

प्रेस कवरेज

2
रविवार, 15 अगस्त 2021

LEADERS OF CHANGE

फ्रीडम डे वाला फैशन

खादी का जन्म स्वतंत्रता आंदोलन से हुआ था और अब यह सबसे स्टाइलिश समकालीन भारतीय कपड़ों में से एक बन गया है। इसने अब लोगों के वॉर्डरोब से लेकर रैंप वॉक तक अपनी पहचान बना ली है

Abhishek.Singh2
@timesgroup.com

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान खादी भारत का पर्याय बना था। गर्मियों के अनुकूल इस कपड़े की बुनाई एक साधारण चरखे पर की जा सकती थी। यह हमारे आत्मनिर्भरता, सम्मान और सरलता का प्रतीक बना था। खादी आंदोलन, उस समय की धूल भरी गलियों से लेकर आज कई सारे ग्लोबल फैशन हाउस तक अपनी पहुंच बना चुका है। इसके साथ ही अब खादी आराम दायक कपड़ों से रैंप वॉक तक अपने फैशन का धमका दिखा चुका है।

शुरुआत में लोकप्रिय रूप से भारतीय राजनेताओं के फैशन स्टेटमेंट का एक मुख्य और आंतरिक हिस्सा रही खादी अब केवल एक मामूली फाइबर से शानदार फैशन में बदल गया है। कपास, रेशम, ऊन या इनके मिश्रण के साथ हाथ से काते, हाथ से बुने हुए, ग्रामीण कलाकारों और लोक पहचान ...

कई प्रतिष्ठित फैशन हाउस भी आज इस देसी कपड़े के आकर्षण से दूर नहीं रह पा रहे हैं और लक्जरी कलेक्शन लॉन्च करने के लिए जमीनी स्तर पर खादी समूहों के साथ काम कर रहे हैं, जो अब वैश्विक बाजार में ग्राहकों के लिए भी उपलब्ध हैं।

... गया है। इसकी रेंज सिर्फ एक वेस्ट जैकेट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अब कुर्ते, साड़ी, धोती और अन्य इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन अवतारों के लिए एक प्रमुख फैब्रिक स्टेपल के रूप में उभरी है।

सामाजिक कार्यकर्ता रेणु स्मृति कहती हैं कि खादी बुनाई में सबसे अच्छा रहता है। यह आरामदायक और पहनने में सुकून ...

कमाल का फैशन

स्टाइल और कंफर्ट एक साथ

खादी का जलवा

रोहित बल, मनीष मल्होत्रा और राजेश प्रताप सिंह जैसे जाने माने डिजाइनरों ने पहले ही भारतीय कपड़े के साथ प्रयोग किया है और 'देसी कपड़े' को हाई एंड फैशन ग्लैमर बढ़ाता है। दुल्हन के कपड़े, पुरुषों और महिलाओं के डिजाइन, भारतीय बुनाई नए जमाने के डिजाइनरों के लिए एक सबसे अच्छा बन रहा है। नए मिश्रणों में नए रूप में तैयार होने के कारण अब यह खादी रेशम, खादी लिनन और यहां तक कि खादी ऊन में भी उपलब्ध है। खादी आंदोलन को नए युग के भारतीयों के साथ बड़े पैमाने पर आकर्षण मिल रहा है। यहां तक कि प्रतिष्ठित फैशन हाउस भी, आज इस देसी कपड़े के आकर्षण से दूर नहीं रह सकते हैं और वैश्विक बाजार के लिए उपलब्ध लक्जरी कलेक्शन लॉन्च करने के लिए जमीनी स्तर पर खादी समूहों के साथ काम कर रहे हैं।

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन करतीं सीनियर डीसीएम अंजू सिंह।

रेलवे स्टेशन पर खादी वस्त्रों की प्रदर्शनी शुरू

■ हरिद्वार/एसएनबी। खादी ग्रामोद्योग की यहां रेलवे स्टेशन परिसर में शनिवार से प्रदर्शनी शुरू हुई जो 19 अगस्त तक चलेगी। मुरादाबाद रेल मंडल की सीनियर डीसीएम अंजू सिंह ने प्रदर्शनी का उदघाटन किया।

प्रदर्शनी में खादी को बढ़ावा देने के लिए रेलवे स्टेशन पर उपभोक्ताओं के लिए कुर्ता पायजामा, तौलिया, जैकेट के अलावा खादी ग्रामोद्योग से तैयार शैम्पू, धूपबत्ती के अलावा घरों के साजसज्जा का सामान भी लगाया गया है। सीनियर डीसीएम ने कहा कि खादी को बढ़ावा देने के लिए सरकार हस्तशिल्प सूक्ष्म लघु कारखानों को लगातार प्रदेश में लगा रही है। लोगों को भी हस्तशिल्प से रोजगार प्राप्त हो रहा है। मनसा खादी ग्रामोद्योग आश्रम के सचिव जगदीश सैनी व दीपक चौहान ने कहा कि खादी परंपरागत तरीके से भारतवर्ष में चली आ रही है। खादी को बढ़ावा देने के लिए सरकारें भी लगातार अपने प्रयास कर रही हैं। केबीआईसी के राज्य निदेशक रामनारायण व सह निदेशक बीएस कंडारी ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में कुटीर लघु उद्योगों के माध्यम से खादी वस्त्रों को तैयार किया जाता है। महिलाओं को रोजगारपरक बनाने के लिए केंद्र व राज्य सरकारें काम कर रही हैं। युवाओं को खादी से बने वस्त्रों को पहनना चाहिए। इस अवसर पर नोडल अधिकारी कैलाशचंद चमोली, स्टेशन अधीक्षक एमके सिंह, आरपीएफ एसओ बीएस चौहान, संगम शर्मा, प्रदीप कुमार आदि मौजूद थे।

महिला सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

Skills of rural woman artisans to be fine-tuned

P. SUDHAKAR
TIRUNELVELI

A business initiative set in motion by the Khadi and Village Industries Commission to fine-tune skills of rural women artisans in making fibre products may soon take their products to international market.

The KVIC, under its Khadi Reform and Development Programme, funded by the Asian Development Bank, creates rural artisans' groups to improve their livelihood by marketing their products after giving them due training or fine-tuning their skills. Moreover, this venture takes the rural artisans' products to the national and international markets to fetch the right price for the products.

In this line, the Khadi Reform and Development Progamme, through a non-governmental organization, has coordinated 175 rural woman artisans who are experts in making decorative articles, bags and a other products from banana and cactus fibre and palmyrah leaf.

The KVIC has invested ₹ 1 crore in this venture of which ₹ 96 lakh is subsidy while the remaining ₹ 4 lakh has been contributed by the NGO, CAST (Community Action for Social Transformation) of Bhoothathaankudiyiruppu near Kalakkad in the district.

"The rural women artisans' skills are fine-tuned in designing new products based on the domestic and international market trend after comprehensive studies. We're targeting to reach the international markets with these world-class eco-friendly products," said Collector V. Vishnu who inaugurated the training centre at Padmaneri near Kalakkad on Thursday in the presence of Shekhar Rao Perala, member, South Zone of KVIC.

Since the Kalakkad region is known for banana cultivation and known as 'Banana Basket' of southern Tamil Nadu, the artisans can easily get the raw material for their products. Moreover, cactus grows easily in this region housing several thousands of palmyrah trees.

The training centre, established on an outlay of ₹ 13.50 lakh, houses machineries worth ₹9.50 lakh to train the artisans and prepare the palmyrah leaf and fibre-based products.

This Centre has been given the task of producing products worth Rs.73.53 lakh annually and sell them with the marginal proft of ₹86.76 lakh.

"This business module will ensure the revenue of ₹ 4,500 to ₹ 500 per artisan," says Mr. Vishnu under whose leadership a coordination committee has been formed to review the performance.

"The rural artisans getting coordinated by the KVIC gets medical assistance and life insurance benefits," Mr. Shekhar Rao said.

He informed that experts from other States would be brought here to train the woman artisans in making the world-class ornamental products.

Mr. Vishnu has started working on taking the Pattamadai mats, earthenware of Kaaarukurichi, brassware of Vaagaikulam, Kaani Tribes' organic products besides others to the international markets.

"The women, who were once embroiled in beedi rolling industry, have come out to try their hands in a different industry. Every woman artisan has the capacity to become an entrepreneur one day as we're also equipping them with leadership quality and business skills," he said.

Tirunelveli Collector V. Vishnu examining a banana fibre product at Kalakkad on Thursday.

खादी हैंडलूम प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

पीडीडीयू जंक्शन पर अमृत महोत्सव के तहत खादी ग्रामोद्योग की ओर से लगाया गया स्टाल

संवाद न्यूज एजेंसी

पीडीडीयू नगर। पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर अब यात्री खादी के कपड़े सहित खादी ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पाद खरीद सकेंगे। इसके लिए शनिवार को ... स्टेशन पर खादी प्रदर्शनी ... गया। इसका उद्घाटन डीआरएम राजेश कुमार पांडेय ने ... किया। ... स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने पर मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक स्वरूप खादी/हैंडलूम के एक प्रदर्शनी सह बिक्री स्टॉल रेलवे स्टेशन पर लगाया गया है। जंक्शन के कानकोर्स एरिया में स्थित खादी/हैंडलूम का यह स्टॉल मंडल के वाणिज्य विभाग के सहयोग से खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से लगाया गया है। यह स्टाल 22 अगस्त तक रहेगा। इस मौके पर डीआरएम ने कहा कि देश की आजादी में खादी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

अमृत महोत्सव में यात्री खादी के बारे में जान सकेंगे वहीं खादी ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पाद खरीद सकेंगे। इस मौके पर वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक रूपेश कुमार, वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अजित कुमार, खादी ग्रामोद्योग से जुड़े समरनाथ यादव, भागवत नरायन चौरसिया रहे।

पीडीडीयू रेलवे स्टेशन पर फीता काटकर खादी सेंटर का उद्घाटन करते डीआरएम राजेश कुमार पांडेय। संवाद

शौचालय के निर्माण में खराब सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप

धीना। विकासखंड बरहनी की ग्राम सभा पिपरदहां में निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालय में खराब सामग्री के इस्तेमाल का आरोप ग्राम प्रधान और अन्य ग्रामीणों ने लगाया है। लोगों ने इसकी शिकायत बीडीओ राहुल सागर से की है। पिपरदहां के ग्राम प्रधान नागेंद्र यादव समेत बाद्दू राम, पप्पू, अमर गुप्ता, अखिलेश, रामजन्म, रमेश, विजय शंकर, अखिलेश यादव ने कहा कि शौचालय का निर्माण गांव से 700 मीटर दूर वह भी रेलवे लाइन के उत्तर तरफ किया जा रहा है। खराब सामग्री के इस्तेमाल के बाबत जानकारी बीडीओ को दी गई है। संवाद

प्रेस कवरेज

मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नहीं होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य अधम था
बाबा साहब भीमराव अंबेडकर

पूर्व सैनिकों

जासं, चंदौली: जिला पू... कल्याण समिति के स... बैठक शनिवार को मुख्य... कैंप कार्यालय में हुई। इस... आजादी के लिए अपनी... वाले देश के वीर सपूतों को

पीडीडीयू जंक्शन पर लगी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी

जागरण संवाददाता, पीडीडीयू नगर (चंदौली) : रेल यात्रियों को खादी से जोड़ने के लिए स्थानीय जंक्शन पर शनिवार को खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का मंडल रेल प्रबंधक राजेश कुमार पांडेय ने फीता काटकर शुभारंभ किया। तीन दिवसीय प्रदर्शनी में यात्री अपनी आवश्यकता के अनुरूप डिजाइनदार परिधान खरीद सकते हैं। वहीं मंडल के गया जंक्शन पर भी प्रदर्शनी लगाई गई है।

डीआरएम ने कहा कि खादी आजादी का प्रतीक है। इसकी उत्पत्ति गांधी की विचारधारा से हुई है। अब इसे जन जन तक पहुंचाने की पहल की जा रही है ताकि लोग स्वदेशी सामान अपना सकें।

बताया प्रदर्शनी तीन दिन तक चलेगी। इसमें कपड़े, सदरी, जींस, धोती, कुर्ता, शाल, चादर के अलावा महिलाओं के परिधान भी मिल जाएंगे। महिलाओं के लिए साड़ियां, शाल, जर्सी, घर-गृहस्थी में काम आने वाली विभिन्न चीज उपलब्ध हैं। वहीं प्रसिद्ध आचार, मुरब्बा, चमड़े के जूते-चप्पल आदि आइटमों की खरीदारी भी की जा सकती है।

आयुर्वेद की स्टाल से विभिन्न प्रकार की आयुर्वेद दवा, चूरन-चटनी, तेल, नमकीन, कैर सांगरी भी मिलेगी। जंक्शन पर प्रदर्शनी लगने से यात्रियों को काफी सहूलियत होगी और खादी के सामानों की बिक्री भी होगी।

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED ORGANIZATION

मजबूत और नए उन्नत एलईडी फ्रंट फोग लैंप ... डिजाइन शामिल ... इस अवसर पर प्लेटिनम होंडा के जनरल मैनेजर दीपक बेदी और सेल्स मैनेजर विवेक तेवतिया मौजूद रहे। पहले दिन ही पांच गाड़ियों की डिलीवरी कराई गई और 11 गाड़ियों की बुकिंग हुई।

अमृत महोत्सव पर खादी प्रदर्शनी का आयोजन

मेरठ। खादी और ग्रामोद्योग आयोग मेरठ की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव पर मथुरा स्टेशन पर खादी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने खादी प्रदर्शनी और बिक्री केंद्र का निरीक्षण किया। खादी ग्रामोद्योग आयोग मेरठ के निदेशक आरके श्रीवास्तव, मंत्री धनीराम यादव, स्टेशन निदेशक रवि प्रकाश, वाणिज्य निरीक्षक भगत सिंह मंडल आदि रहे।

www.jagran.com

स्टेशन पर खादी प्रदर्शनी का शुभारंभ

जासं, आगरा: कैंट रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर एक पर खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम एवं मंत्रालय के द्वारा शांति निकेतन एटा के सहयोग से खादी प्रदर्शनी, विक्रय केंद्र का उद्घाटन किया गया। अमृत महोत्सव के तहत लगी प्रदर्शनी की शुरुआत स्टेशन मैनेजर मुकेश कुलश्रेष्ठ एवं खादी ग्रामोद्योग आयोग, मेरठ के निदेशक आरके श्रीवास्तव ने की। शांति निकेतन एटा के मंत्री धनीराम यादव, खादी ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक बोधराज आदि मौजूद थे।

खादी प्रदर्शनी स्टालका डीआरएमने किया उद्घाटन

...मुगलसराय। भारत की स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने को लेकर मनाये जा रहे आजादी की अमृत महोत्सव के क्रम में आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक स्वरूप खादी के एक प्रदर्शनी सह बिक्री स्टॉल का उद्घाटन शनिवार को मंडल रेल प्रबंधक राजेश कुमार पांडेय द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पर किया गया। इस अवसर पर डीआरएम ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि खादी गांधी जी के विशेष योगदान से खादी की उत्पत्ति हुई। खादी एक ऐसा वस्त्र है जो गर्मी में सर्दी और सर्दी में गर्मी का एहसास कराती है। और खादी फट जाने ... किसी न किसी उपयोग में आ जाता है। ...डीयू जंक्शन के कॉनकोर्स एरिया में ... खादी का यह स्टॉल मंडल के ...ज्य विभाग के सहयोग से खादी एवं ...योग आयोग के तत्वावधान में लगाया गया है जो २२ अगस्त तक रहेगा। उद्घाटन अवसर पर डीडीयू मंडल के वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी सहित विभिन्न अन्य रेल अधिकारी तथा ग्रामोद्योग के वाराणसी संभाग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, डीएस भाटी, अध्यक्ष भागवत नारायण चौरसिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मंडल रेल प्रबंधक को संभव खादी ग्रामोद्योग संस्थान के मंत्री समरनाथ सिंह यादव ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

...संध्यापर तिरंगे

सोशल मीडिया पर केवीआईसी

फेसबुक पर

सोशल मीडिया पर केवीआईसी

इंस्टाग्राम पर

• Special Day posts •

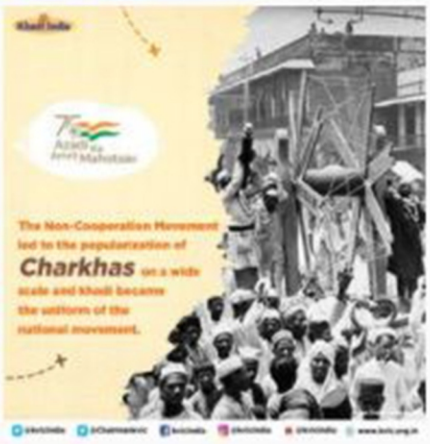

Khadi India

भारत में मधु क्रांति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

Download the Khadi India App from | kvicindia | @kvicindia | kvicindia | www.kvic.org.in